एलपीजी की काला बाजारी करने वालों के लाइसैंस निरस्त करें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रैंस के माध्यम से सभी जिला कलैक्टरों को दिशा निर्देश दिए

जयपुर, 28 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी जिला कलैक्टरों को प्रतिदिन एलपीजी के संबंध में समीक्षा करके जमीनी परिस्थितियों का फीडबैक लेने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, कालाबाजारी एवं ओवरप्राइसिंग में लिप्त

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिए कि शिकायतों का 24 घंटे में त्वरित समाधान किया जाए तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग कर मुख्य सचिव स्तर पर रिपोर्ट की जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में एलपीजी आपूर्ति के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संस्थाओं या व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई एवं बार-बार उल्लंघन करने वालों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आकस्मिक निरीक्षण कर अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई तथा स्टॉक रजिस्टर एवं वास्तविक भंडारण का मिलान भी सुनिश्चित किया जाए।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में एलपीजी आपूर्ति के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों को संयुक्त टीमें बनाकर विशेष अभियान चलाने तथा सभी जिलों में एलपीजी और आवश्यक वस्तुओं के गोदामों, एजेंसियों एवं वितरण केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायतों का 24 घंटे में त्वरित समाधान हो तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग कर मुख्य सचिव स्तर पर रिपोर्ट दी जाए। इसी के साथ, सोशल मीडिया, स्थानीय मीडिया एवं पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को सहायता उपलब्ध करवाने के लिए हेल्पलाइन नंबर 14435, 112 और 181 संचालित किए जा रहे हैं।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, संबंधित विभाग के अधिकारी एवं जिला कलैक्टर वीसी के माध्यम से जुड़े।

'तलाक के मामले में विदेशी कोर्ट के फैसले मान्य नहीं'

नई दिल्ली, 28 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसला सुनाया है, जिसमें विदेशी तलाक के फैसलों पर कानूनी स्थिति साफ की गई है, खासकर उन मामलों में, जो हिंदू विवाह अधिनियम के तहत आते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के एक फैसले को रद्द कर दिया और कहा कि किसी विदेशी कोर्ट द्वारा ऐसे आधार पर दिया गया तलाक, जिसे भारतीय कानून मान्यता नहीं देता, भारत में वैध या बाध्यकारी नहीं माना जा सकता।

इसके साथ ही, कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह व्यवस्था खासतौर से हिंदू विवाह अधिनियम के तहत आने वाले मामलों के लिए है।

विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए एक जोड़े को अंतिम तलाक दे दिया, यह देखते हुए कि वे लगभग 18 सालों से अलग रह रहे थे।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने की। यह विवाद भारत में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हुई एक शादी से जुड़ा था, जो बाद में अमेरिका और भारत, दोनों जगहों पर तलाक की समानांतर कार्यवाही का विषय बन गया।

इज़रायल का ईरान के एटमी ठिकानों पर बड़ा हमला

इज़रायल ने 50 फाइटर जैट के साथ ईरान पर बड़ी एयरस्ट्राइक की

तेहरान, 28 मार्च। मिडिल ईस्ट में जारी जंग को एक महीना हो चुका है, लेकिन खाड़ी देशों में हमले अब भी जारी हैं। आज सुबह तक अलग-अलग देशों से हमलों और इंटरसेप्शन की खबरें सामने आई हैं। ईरान-इज़रायल जंग के 28 दिन बाद अब हूती विद्रोही भी इसमें शामिल हो गए हैं। उधर, इज़रायल ने ईरान में बड़े स्तर पर एयरस्ट्राइक की है।

जानकारी के अनुसार, इज़रायल ने ईरान के अंदर 50 फाइटर जेट्स से हमला किया। इज़रायली सेना के मुताबिक, शुक्रवार रात ईरान के तीन इलाकों में हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने बताया कि ये हमले खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए और कई घंटों तक चले। हमलों में अराक और यज्द जैसे अहम इलाके शामिल थे। जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें हथियार बनाने वाली सैन्य इंडस्ट्री और बैलिस्टिक के साथ एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल के पुर्जे बनाने वाली फैक्ट्री शामिल थी।

उधर, ईरान ने आज यूएई, ओमान, कुवैत, सऊदी अरब और

- जवाब में ईरान ने यूएई, ओमान, कुवैत सऊदी अरब व बहरीन पर मिसाइलों से हमला किया।

बहरीन पर हमला किया। यूएई में अबू धाबी और दुबई के बीच स्थित खलीफा इकोनॉमिक जोन के पास इंटरसेप्ट की गई बैलिस्टिक मिसाइल का मलबा गिरने से तीन जगह आग लग गई। इस घटना में 6 लोग घायल हुए हैं।

बहरीन में ईरान की ओर से निशाना बनाए गए एक ठिकाने पर लगी आग को सिविल डिफेंस ने बुझा दिया। वहीं, कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले में रडार सिस्टम को नुकसान पहुंचा। साथ ही, पिछले 24 घंटों में नेशनल गार्ड ने 6 ड्रोन मार गिराए। इससे पहले, ईरान ने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर शुक्रवार रात को 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इस युद्ध में अमेरिका ने बड़े पैमाने पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इसे अमेरिकी हथियारों के जखीरे का अहम हथियार माना जाता है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, चार हफ्तों में 850 से ज्यादा मिसाइलें दागी गईं। अनुमान है कि अमेरिकी नौसेना के पास लगभग 4,000 टॉमहॉक मिसाइलें थीं। अगर यह सही है तो टॉमहॉक मिसाइलों का करीब एक चौथाई हिस्सा खत्म हो चुका है। रक्षा मंत्रालय के भीतर इसको लेकर चिंता बढ़ गई है।

प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मोदी ने बताया कि बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने समुद्री मार्गों की सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर सहमति जताई, ताकि वैश्विक व्यापार और आपूर्ति शृंखला बाधित न हो।

प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए क्राउन प्रिंस के निरंतर सहयोग के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

'हूती विद्रोही यमन को जंग में झोंक रहे हैं'

सना, 28 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ ते तनाव के बीच यमन की सरकार ने हूती विद्रोहियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सरकार का कहना है कि हूती आंदोलन देश को अनावश्यक युद्धों में धकेल रहा है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, हूती लड़ाके ईरान के समर्थन में काम कर रहे हैं और क्षेत्रीय संघर्ष को और भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। यमन सरकार ने इसे देश की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बताया है।

इससे पहले दिन में खबर सामने आई थी कि हूती विद्रोहियों ने इज़रायल की ओर मिसाइल दागी, जिसे बीच रास्ते में ही निष्क्रिय कर दिया गया। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़

- यमन सरकार ने आरोप लगाया कि हूती लड़ाके राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा कर रहे हैं।

गया है।

हूती विद्रोही यमन का एक सशस्त्र समूह है, जो लंबे समय से सरकार के खिलाफ संघर्ष कर रहा है और देश के कई हिस्सों पर नियंत्रण बनाए हुए है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन्हें ईरान समर्थित समूह के रूप में देखा जाता है।

यमन सरकार ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह इस मुद्दे पर ध्यान दे और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए।

'दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान कदापि उजागर ना करें'

सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया

नई दिल्ली, 28 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर किए जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए, इसे सबसे कड़े शब्दों में निंदनीय बताया है। शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोर्ट के आदेशों में पीड़िता या उसके परिवार की पहचान किसी भी रूप में सामने न आए।

न्यायमूर्ति संजय करोल और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि 2018 के निपुण सक्सेना बनाम यूनियन ऑफ इंडिया फैसले में स्पष्ट

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के आदेशों में ऐसा कुछ न लिखा जाए जिससे पीड़िता या उसके परिवार की पहचान उजागर हो।

किया गया था कि किसी भी माध्यम (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक या सोशल मीडिया) में पीड़िता की पहचान उजागर नहीं की जा सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके बावजूद निचली अदालतों में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। इसके पीछे अदालतों की उदासीनता और इस तरह के अपराधों से जुड़े सामाजिक कलंक के प्रति जागरूकता की कमी को जिम्मेदार बताया गया।

अदालत ने बताया कि 1983 में भारतीय दंड संहिता में संशोधन कर धारा 228 जोड़ी गई थी, जिसका उद्देश्य दुष्कर्म पीड़िताओं की पहचान को सार्वजनिक होने से रोकना है। इससे पहले ऐसा कोई स्पष्ट कानूनी प्रतिबंध नहीं था, जिससे पीड़िताओं को सामाजिक बहिष्कार और मानसिक आघात का सामना करना पड़ता था।

पीठ ने अपने आदेश की प्रति सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को भेजने का निर्देश दिया है, ताकि इस कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके। यह टिप्पणी उस दौरान आई, जब अदालत हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के एक फैसले की समीक्षा कर रही थी, जिसमें नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को बरी कर दिया गया था।

इंडिगो विमान की दिल्ली एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग

नई दिल्ली, 28 मार्च। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रहे इंडिगो के एक विमान को शनिवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

इसमें सवार 161 यात्री और चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। दमकलकर्मियों को सुबह करीब 10:53 बजे आपातकालीन स्थिति की सूचना मिली, जिसके बाद पांच गाड़ियां रनवे पर तैनात कर दी गयीं।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, इंडिगो का एक विमान विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रहा था, तभी उसमें इंजन फेल होने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। विमान को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतारा गया।

- विमान विशाखापट्नम से दिल्ली आ रहा था, रास्ते में ही उसका एक इंजन बंद हो गया था इसलिए विमान की आपात लैंडिंग कराई गई, सभी यात्री सुरक्षित हैं।

इंडिगो के विमान संख्या 6ई 579 ने सुबह 8:39 बजे विशाखापत्तनम से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। सफर के दौरान अचानक विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आ गई।

'भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी जोर दे रही है कि एनडीए के छोटे सहयोगी दल, जैसे एलजेपी (राम विलास), एचएएम (सेक्युलर) और आरएलएम को भी नए मुख्यमंत्री के चयन में पूरी तरह भरोसे में लिया जाए।

जदयू के सूत्रों ने कहा कि अगर पार्टी को गठबंधन में छोटे भागीदार की भूमिका निभाने को कहा गया, तो वह विधानसभा अध्यक्ष पद पर दावा करेगी। एक जदयू सूत्र ने कहा, "किसी को यह नहीं लगना चाहिए कि कुमार के राज्यसभा जाने से जदयू कमजोर हो गई है। कुमार अब बिहार को और ज्यादा समय देंगे। इस बीच, भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े इस समय पटना में हैं और कुमार के संभावित उत्तराधिकारी के विषय में चर्चा कर रहे हैं। राज्य भाजपा नेता जदयू के रुख पर टिप्पणी करने से बच रहे हैं और कह रहे हैं कि इस मामले में अंतिम फैसला भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व ही करेगा। भाजपा खेमे को उम्मीद है कि एनडीए के सभी सहयोगियों की सहमति से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण हो जायेगा।

अयोध्या राजघाट पर यज्ञशाला में लगी आग पंडाल जलकर राख हुआ

चूंकि नौ दिवसीय महायज्ञ समाप्त हो चुका था और पंडाल में कोई नहीं था इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई

अयोध्या, 28 मार्च। अयोध्या के राजघाट स्थित बाटी बाबा आश्रम के पास महालक्ष्मी नारायण यज्ञशाला में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना उस समय हुई, जब नौ दिवसीय महायज्ञ का समापन हो चुका था, और यज्ञशाला खाली हो गई थी। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग की वजह से लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। आग इतनी भीषण थी कि एक एकड़ में फैला यज्ञ स्थल कुछ ही मिनटों में जलकर खाक हो गया। जहां यह भीषण आग लगी, वह स्थान राम मंदिर से मात्र 800 मीटर की दूरी पर स्थित है।

- हादसा राजघाट के बाटी बाबा आश्रम के पास स्थित महालक्ष्मी नारायण यज्ञशाला में हुआ, जहां 20 मार्च से 28 मार्च तक नौ दिवसीय महायज्ञ आयोजित हुआ था। घटनास्थल से राम मंदिर मात्र 800 मीटर दूर है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह महायज्ञ 20 मार्च से 28 मार्च तक आयोजित किया गया था, जिसका नेतृत्व उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह कर रहे हैं। सुबह लगभग 11:30 बजे पूर्णाहुति के साथ यज्ञ संपन्न हो गया था और श्रद्धालु वहां से जा चुके थे।

इसी दौरान, अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा। निखिल टीकाराम फुंडे और डॉ. गौरव ग्रोवर ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया।

हादसे के बारे में मुख्य अग्निशमन अधिकारी सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गईं थीं। करीब 10 गाड़ियों ने 2 घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया। किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

ईरान ने अमेरिका के 6 युद्ध पोतों पर मिसाइल दागी

तेहरान, 28 मार्च। ईरान के सशस्त्र बलों ने अमेरिका के छह सामरिक जहाजों को निशाना बनाया है तथा दावा किया गया है कि इस हमले में बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं। ईरान ने इस हमले में बैलिस्टिक मिसाइलों और कद्र 380 क्रूज मिसाइलों का उपयोग किया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के जनसंपर्क कार्यालय ने शुक्रवार देर रात जारी बयान में यह जानकारी दी।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से संबद्ध अर्ध सरकारी न्यूज एजेंसी तसनीम की रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत, ईरानी बलों का 84वां हमला है। आईआरजीसी की नौसेना ने अल-शुवैख बंदरगाह और दुबई के समुद्र तटों और बंदरगाह पर अमेरिकी-इज़रायली सेना के खिलाफ सटीक हमले किए। हमले में अमेरिकी सैनिक मारे गए।

हरियाणा में आतंकी साजिश का पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार

हरियाणा पुलिस ने सिरसा से 5 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है जो पुलिस थानों की रैकी कर रहे थे

सिरसा, 28 मार्च। महिला थाना ब्लास्ट जैसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दी। पुलिस ने पांच संदिग्धों को काबू किया है, जो पुलिस चौकी और थानों की रेकी कर, उनके वीडियो दुबई में बैठे पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी को भेज चुके थे।

पुलिस जांच में सामने आया है कि संदिग्ध एक मीडिएटर के जरिए गैंगस्टर के संपर्क में थे और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए कथित विस्फोटक सामग्री का इंतजार कर रहे थे, जिसकी डिलीवरी 30 मार्च को होने की आशंका थी। शुक्रवार रात पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार राजबीर उर्फ

- आरोपी पुलिस थानों को बम से उड़ाने की साजिश में शामिल थे और दुबई में बैठे पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी से सम्पर्क में थे।

राजीव उर्फ डीसी, उसके जीजा और एक नाबालिग को पकड़ा।

राजबीर के मोबाइल से सिरसा की हुडा पुलिस चौकी और सिविल लाइन थाना की रेकी के वीडियो बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने हांसी निवासी रोहित उर्फ काकू को भी काबू किया, जो हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। रोहित से पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपितों ने मिलकर कुछ दिन पहले रेकी कर वीडियो तैयार किए थे। ये वीडियो राजबीर और विकास के साथ कुछ दिन पहले रेकी करके बनाया था। रातभर चला सर्च आपरेशन पुलिस ने सेक्टर-19 स्थित फ्लैटों में रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक विशेष सर्च अभियान चलाया। संदिग्ध के स्वजनों का कहना है कि पुलिस ने सादी वर्दी में तलाशी ली और घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर कब्जे में ली। संदिग्ध नाबालिग की मां ने बताया कि वह अपने बेटे को पुलिस के पास पूछताछ के लिए छोड़कर आई थी।

ईरान ने अब सऊदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईरान ने कुवैत के एक द्वीप पर हमला किया है, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाना था। इस हमले में अमेरिकी पक्ष को नुकसान हुआ है, जिसमें कम से कम दस मरीन सैनिक घायल हुए हैं या कुछ की मौत हो गई है। इसका असर डॉनल्ड ट्रम्प के लिए भी गंभीर हो सकता है, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से घरेलू सर्वेक्षणों में उनकी लोकप्रियता (रेटिंग) में भारी गिरावट देखने को मिल रही है।

अमेरिकी पक्ष में बढ़ते हताहतों की खबरें वहां की जनता के लिए बेहद दु:खद एवं अस्वीकार्य हैं, ईरान और पश्चिम के साथ-साथ खुद अमेरिका में मौजूद उसके स्लीपर सैल भारी नुकसान पहुँचा रहे हैं। हाल के हमलों में अमेरिकी ठिकानों पर हुए नुकसान से अमेरिकियों के हौसले बुरी तरह पस्त हो जाएंगे।

ट्रम्प पहले ही मान चुके हैं कि अमेरिकी सैनिकों का और हताहत होना एक स्पष्ट संभावना है। जैसे-जैसे मृतकों के शव अमेरिका पहुंचेंगे, ट्रम्प की आलोचना और बढ़ेगी, क्योंकि उन्होंने सत्ता में आने से पहले विदेशों में चल रहे युद्धों से अमेरिका को बाहर निकालने का वादा किया था। ईरान के समर्थक, यमन के हूती विद्रोही, अब अपने वर्षों पुराने समर्थकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जिससे वैश्विक चिंता और बढ़ गई है। हूती विद्रोहियों ने पहले अदन की खाड़ी के आसपास जहाजों की आवाजाही को बाधित किया था-जो तब एक वैकल्पिक मार्ग होता है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो जाता है। इस मार्ग को भी खतरे में डालकर, ईरान और हूती विद्रोही मिलकर लाल सागर से लेकर फारस की खाड़ी तक पूरे क्षेत्र में समुद्री यातायात को प्रभावित कर सकते हैं। इससे वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ सकता है। अभी भी कई देश ईंधन और गैस की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। खबरें हैं कि फिलीपींस में आपात स्थिति जैसी हालत बन रही है। कुछ दक्षिण एशियाई देशों में भी ईंधन की भारी कमी से आंतरिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है। पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र से हटकर, इज़रायल और हिज़्बुल्लाह के बीच संघर्ष और तेज हो रहा है। दोनों पक्षों को भारी नुकसान हो रहा है, जो सामूहिक हत्याओं से कम नहीं है। बताया जा रहा है कि दक्षिण लेबनान में कार्रवाई के दौरान इज़रायल को भी भारी हताहतों का सामना करना पड़ा है। अस्पताल और चिकित्सा केन्द्र घायलों से भरे हुए हैं।

वॉशिंगटन की राजनीति में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में अयोग्य हैं। यदि इसे चुनौती दी जाती है, तो मामला कांग्रेस के पास जाता है, जहां इस निर्णय को बरकरार रखने के लिए दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत जरूरी होता है।

ऐतिहासिक रूप से, इस प्रावधान का कभी भी किसी राष्ट्रपति को उसकी इच्छा के विरुद्ध हटाने के लिए पूर्ण रूप से उपयोग नहीं किया गया है। इसलिए इसका उल्लेख भी अपने आप में भारी राजनीतिक महत्व रखता है। यह केवल नेतृत्व को लेकर चिंता का ही संकेत नहीं देता, बल्कि सत्ता तंत्र के भीतर विश्वास के संकट का संकेत भी देता है।

इस मांग का समय भी खास महत्व रखता है। यह ऐसे समय में सामने आई है, जब ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट आई है, ईंधन की बढ़ती कीमतों के आर्थिक प्रभाव को लेकर जनता में चिंता बढ़ रही है, और ईरान के साथ चल रहे संघर्ष को संभालने के प्रशासन के तरीके पर संदेह गहरा रहा है। हालिया सर्वेक्षणों में ट्रंप की लोकप्रियता 30 प्रतिशत तक गिरती दिखाई गई है, जहां आर्थिक प्रबंधन और महंगाई असंतोष के प्रमुख कारण बनकर उभरे हैं।

इस पृष्ठभूमि में, 25वें संशोधन का उल्लेख एक संवैधानिक तर्क से अधिक एक राजनीतिक संदेश जैसा प्रतीत होता है, मानो वर्तमान स्थिति को सामान्य नीतिगत मतभेद के बजाय, संस्थागत संकट के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की जा रही हो।

उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के लिए यह सुझाव बेहद संवेदनशील स्थिति पैदा करता है। संवैधानिक रूप से, धारा 4 को लागू करने के किसी भी प्रयास में वे केन्द्रीय भूमिका में हैं। लेकिन राजनीतिक रूप से, वे ट्रंप के जनादेश और उनके मतदाता आधार से गहराई से जुड़े हुए हैं। ऐसे किसी कदम या उसकी संभावना भर से रिपब्लिकन पार्टी के भीतर तीखी प्रतिक्रिया हो सकती है, जहां ट्रंप का अभी भी काफी प्रभाव है।

वास्तव में, 25वें संशोधन को लागू करने में व्यावहारिक बाधाएं भी बहुत बड़ी हैं। इसके लिए न केवल वेंस की सहमति, बल्कि मंत्रिमंडल के बहुमत का समर्थन भी आवश्यक होगा, और इनमें से कई सदस्य राष्ट्रपति के करीबी माने जाते हैं। यदि ऐसा निर्णय लिया भी जाता है, तो उसे बनाए रखने के लिए प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी, जो कि मौजूदा ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल में हासिल करना बेहद कठिन है।

इससे एक बड़ा सवाल उठता है: क्या 25वें संशोधन का इस्तेमाल एक गंभीर संवैधानिक प्रस्ताव के रूप में किया जा रहा है, या यह केवल असंतोष जताने का एक राजनीतिक तरीका है? हाल के वर्षों में, राजनीतिक तनाव के समय इस संशोधन का उल्लेख बार-बार हुआ है, चाहे वह राष्ट्रपति के स्वास्थ्य को लेकर सवाल हों या निर्णय लेने से जुड़े विवाद, लेकिन यह शायद ही कभी ठोस कार्रवाई में बदला है।

फिर भी, यह घटनाक्रम महत्वहीन नहीं है। यह कंज़र्वेटिव वर्ग के कुछ हिस्सों में हो रहे सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहां असहजता अब सार्वजनिक रूप से सामने आने लगी है। यह भावना सीमित रहती है या रिपब्लिकन पार्टी के भीतर व्यापक बहस का रूप लेती है, इस पर सभी की नज़र रहेगी।

डेमोक्रेटिक विपक्ष के लिए यह स्थिति अवसर और दुविधा दोनों पेश करती है। जहां यह सत्तारूढ़ ढांचे के भीतर की दरारों को उजागर करती है, वहीं ऐसे आ ानों का खुलकर समर्थन करना राजनीतिक अवसरवाद के रूप में देखा जा सकता है, जिससे इसका प्रभाव कम हो सकता है।

अंतत:, यह घटनाक्रम अमेरिकी राजनीति के एक बड़े दौर की ओर इशारा करता है, जहां संवैधानिक व्यवस्थाएं, राजनीतिक निष्ठाएं और जनमत एक जटिल तरीके से आपस में टकरा रहे हैं। 25वां संशोधन, जिसे संकट की घड़ी में एक संवैधानिक सुरक्षा कवच के रूप में बनाया गया था, एक बार फिर चर्चा के केन्द्र में है। लेकिन यह केवल सैद्धांतिक विचार बना रहता है या राजनीतिक हकीकत के करीब पहुंचता है, यह सत्ता के गलियारों में लिए जाने वाले फैसलों पर निर्भर करेगा।

फिलहाल, उपराष्ट्रपति वेंस से की गई यह अपील ट्रंप के दूसरे कार्यकाल को प्रभावित कर रहे तनावों की याद दिलाती है, ऐसे तनाव, जो केवल दलगत सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कंज़र्वेटिव आंदोलन के भीतर तक फैले हुए हैं।

प्र.मंत्री ने नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन किया

नोएडा, 28 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेवर एयरपोर्ट) के प्रथम चरण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने विमान रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधा का भी शिलान्यास किया।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल एक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य को नई उड़ान देने वाला प्रयास है। विकसित भारत के संकल्प के तहत आज एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है और उत्तर प्रदेश अब देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे विकसित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें इस परियोजना का शिलान्यास और उद्घाटन दोनों करने का अवसर मिला, जो उनके लिए विशेष गौरव का विषय है। उन्होंने इसे जनता को समर्पित

- प्र.मंत्री मोदी ने कहा, उन्हें इस परियोजना के शिलान्यास व उद्घाटन का अवसर मिला जो उनके लिए विशेष गौरव की बात है।

करते हुए कहा कि यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास का नया इंजन बनेगा और आगरा, मथुरा, अलीगढ़ , गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर सहित पूरे क्षेत्र को इसका लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट किसानों, लघु एवं मध्यम उद्योगों और युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आएगा। यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के साथ-साथ क्षेत्रीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। यह परियोजना विकसित उत्तर प्रदेश की उड़ान का प्रतीक बनेगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908